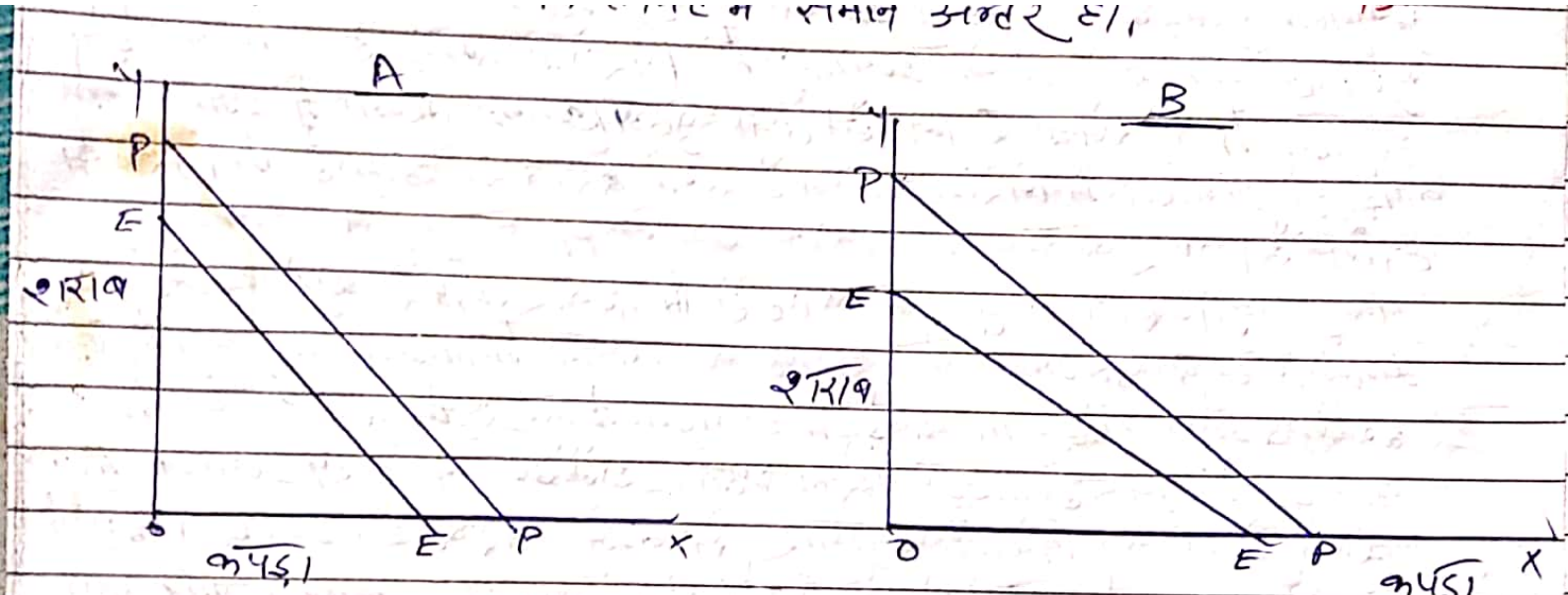

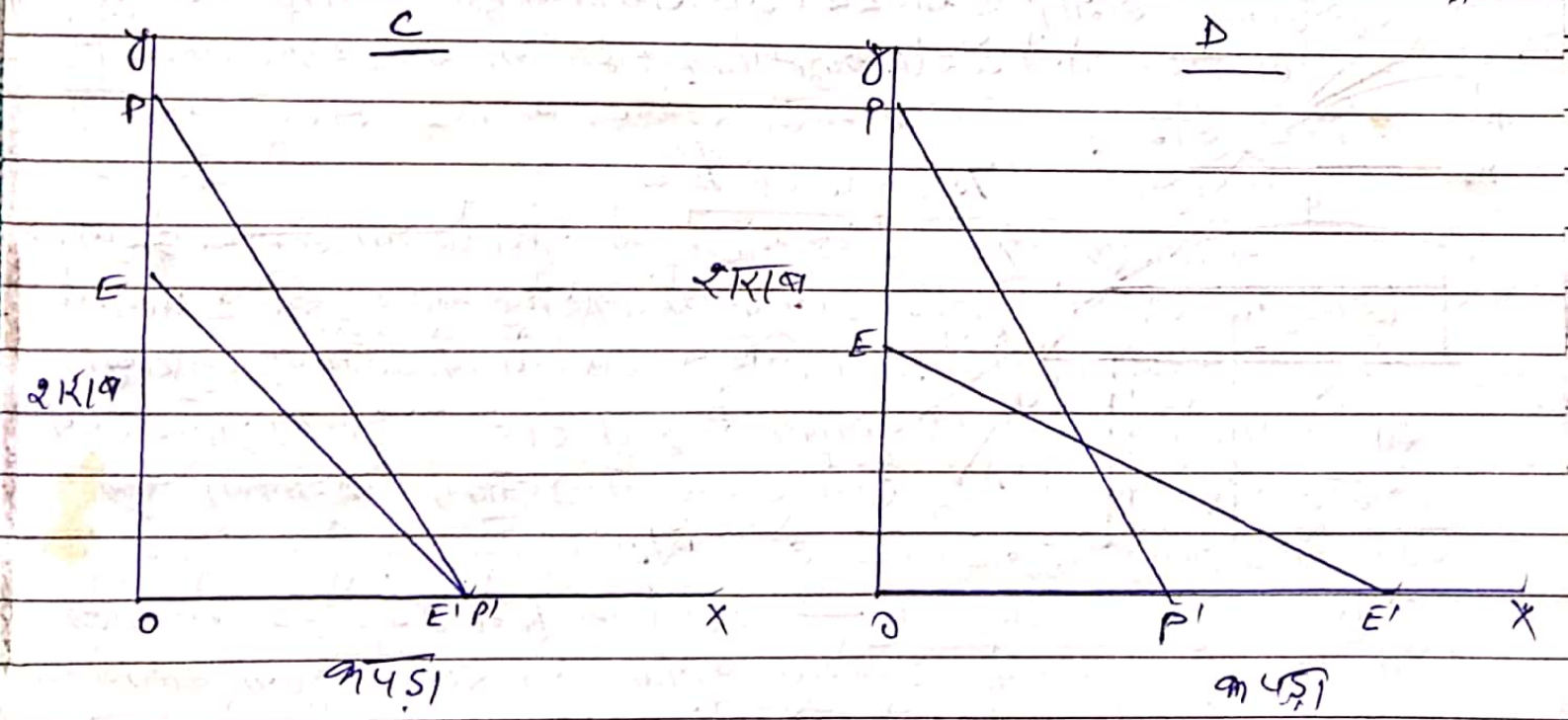

... में समान अन्तर हो,

A

B

C

D

चित्र A में यद्यपि पुर्तगाल दोनों वस्तुओं शराब और कपड़े का निरपेक्ष रूप से सस्ते में उत्पादन कर रहा है परन्तु इंगलैण्ड की तुलना में उसे तुलनात्मक लाभ नहीं है क्योंकि दोनों देशों में इन दोनों वस्तुओं की लागत का अनुपात समान है। यदि पुर्तगाल केवल शराब के उत्पादन में विशिष्टीकरण करता है तो उसे ऐसा करना लाभप्रद नहीं होगा क्योंकि उसे इंगलैण्ड का आयात करने के लिए अपने ही देश में कपड़े का उत्पादन करने की लागत की तुलना में ऊँची कीमत देनी पड़ेगी। ऐसी हालत में दोनों देशों में व्यापार नहीं होगा।

चित्र B में स्पष्ट है कि यद्यपि पुर्तगाल दोनों वस्तुओं का उत्पादन इंगलैण्ड की तुलना में सस्ते में कर सकता है किन्तु उसे शराब के उत्पादन में निरपेक्ष रूप से हानि हानि है किन्तु उसे तुलनात्मक रूप से लागत को ध्यान में रखकर कपड़े के उत्पादन में कम हानि है।

चित्र C से स्पष्ट है कि इंगलैण्ड और पुर्तगाल दोनों की कपड़े में उत्पादन लागत समान है किन्तु पुर्तगाल को शराब के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ है। चित्र D से स्पष्ट है कि इंगलैण्ड की तुलना में पुर्तगाल को शराब के उत्पादन में निरपेक्ष लाभ है तथा कपड़े के उत्पादन में निरपेक्ष हानि है तथा पुर्तगाल की तुलना में इंगलैण्ड को कपड़े के उत्पादन में निरपेक्ष लाभ है तथा शराब के उत्पादन में निरपेक्ष हानि है।

इन सब बातों से स्पष्ट है कि स्थिर लागत दशाओं के अन्तर्गत जब पुर्तगाल को शराब के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ है एवं इंगलैण्ड को कपड़े को कपड़े के उत्पादन में तो पुर्तगाल शराब के उत्पादन में विशिष्टीकरण करेगा एवं इंगलैण्ड कपड़े के उत्पादन में। दोनों देशों को विदेशी व्यापार से लाभ होगा एवं उत्पादन में पूर्ण विशिष्टीकरण होगा। दोनों देशों में दोनों वस्तुओं के विनिमय अनुपात का निर्धारण दोनों देशों के उत्पादन सम्भावना वक्रों की सीमाओं के भीतर होगा।

बढ़ती अवसर लागत दशा में -

वास्तविक जीवन में उत्पादनों के साधनों का संयोग अनुपात स्थिर नहीं रहता है। प्रत्येक उत्पादन में विशिष्ट तथा अविशिष्ट साधनों की आवश्यकता होती है। जब विशिष्ट साधनों के साथ अविशिष्ट साधन बढ़ाये जाते हैं तब उत्पादन में ह्रास होता है अर्थात प्रतिस्थापन लागत बढ़ने लगती है। ऐसी हालत में उत्पादन सम्भावना वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है।

व्यापार पूर्व का सन्तुलन — रेखाचित्र A में इंगलैण्ड में चूँकि बढ़ती हुई लागत के अन्तर्गत उत्पादन हो रहा है उत्पादन सम्भावना वक्र EE' O के नतोदर है। देश में आन्तरिक माँग ज्ञात होने पर

घरेलू कीमतों का अनुपात AB रेखा द्वारा दर्शाया गया है इंग्लैंड, आत्मरिक कीमत रेखा AB के साथ उत्पादन Q बिन्दु पर होगा जहाँ कीमत रेखा AB, उत्पादन सम्भावना वक्र EE' को स्पर्श कर रही है।

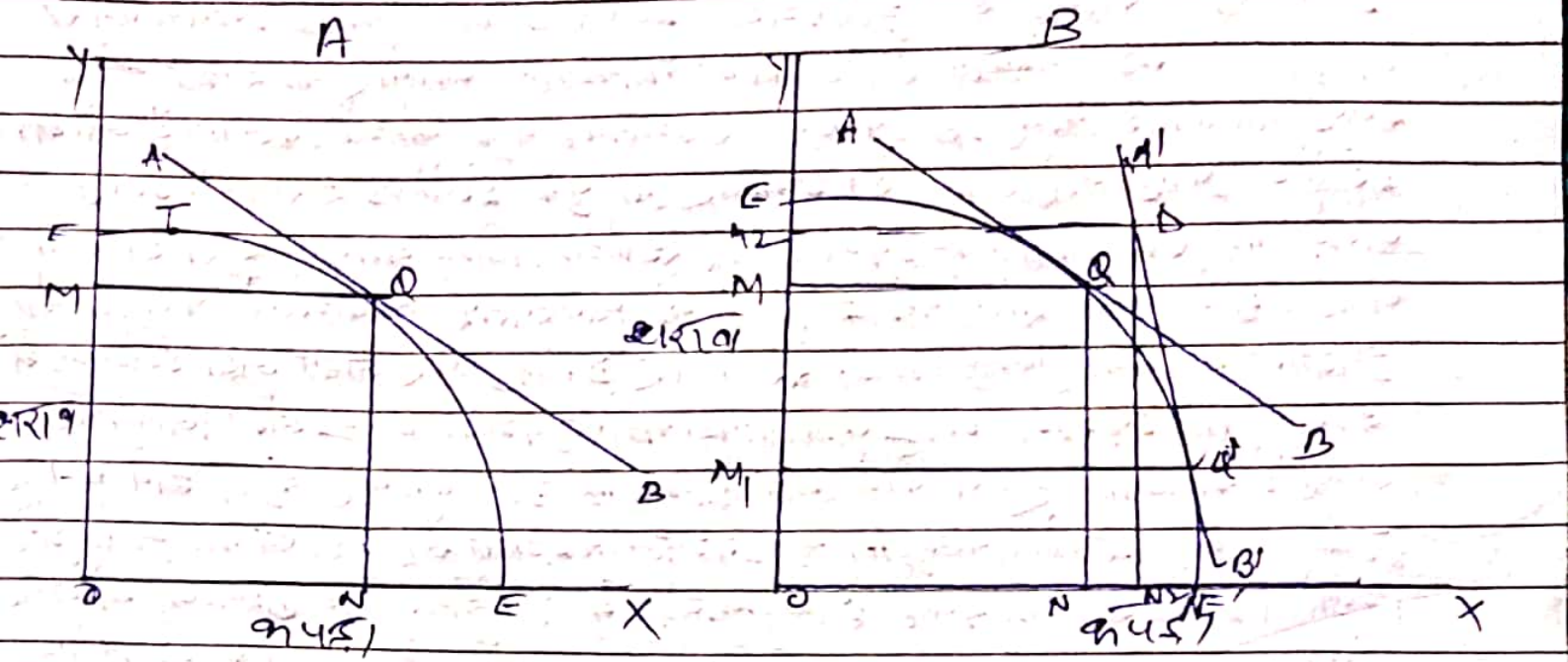

Q बिन्दु पर इंगलैण्ड व्यापार शुरु होने के पूर्व कपड़े की ON मात्रा तथा शराब की OM मात्रा का उत्पादन करेगा। यह सन्तुलन का बिन्दु नहीं होगा क्योंकि यहाँ शराब के उत्पादन में थोड़ी सी वृद्धि के लिए कपड़े के उत्पादन की बहुत मात्रा का परित्याग करना पड़ता है। इसका अर्थ यह है कि जो उत्पत्ति के साधन कपड़े के उत्पादन से अलग किये जाते हैं वे शराब का अधिक उत्पादन नहीं कर सकते। इस प्रकार इंगलैण्ड का व्यापार पूर्व का सन्तुलन बिन्दु Q है जहाँ दोनों वस्तुओं की सापेक्षिक अवसर लागत तथा सापेक्षिक कीमत समान है।